>

Title: Reported Bomb blasts and attack on Adivasis.

**श्री किरेन रिजीजू (अरूणाचल पश्चिम):** अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बहुत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया है। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

महोदय, मैंने कल गृह मंत्री जी का बयान ध्यान से सुना और जो देखा, उससे मुझे दुख इस बात का हुआ कि मूल घटना जिस कारण से हुई और उसका जो नतीजा हुआ, वह स्टेटमेंट के जरिए से प्रकट नहीं हुआ । पिछले दो-तीन दिनों में पूर्वोत्तर की, खासकर असम की जो छवि प्रैस के माध्यम से आई है, वह भी बहुत गलत तरीके से पेश की गई है। उससे ऐसा लगता है कि पूर्वोत्तर में औरतों की इज्जत कम हो गई है। जो तस्वीर दिखाई गई है, उससे भी पोजीशन बहुत डिस्टर्ब हुई है। मैं तो यह सोच रहा था कि इस घटना के बाद, केन्द्र से कोई बड़ा दल इमीडिएटली भेजने के लिए सरकार सोचेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

सर, हैदराबाद, मुम्बई या उत्तर प्रदेश में अगर कोई घटना घटती है, तो प्रधान मंत्री से लेकर, श्रीमती सोनिया गांधी से लेकर सब बड़े-बड़े नेता वहां पहुंचते हैं, लेकिन पूर्वोत्तर में इतनी बड़ी घटना घटने के बाद भी कोई नहीं पहुंचता। इसका मतलब यह है कि उसका कोई महत्व नहीं है। पिछले सात साल से आज तक, जो मैं लगातार देखता आ रहा हूं, उससे मुझे लगता है कि कहने को तो कह दिया जाता है कि पूर्वोत्तर हमारे दिल में बसता है और हम उसके लिए काम करना चाहते हैं, लेकिन जब वहां कोई ऐसी घटना घटती है, तब उस पर जितना ध्यान आपको देना चाहिए, उतना नहीं दिया जाता है।

महोदय, प्रधान मंत्री जी की वह अपनी कांस्टीटयूंसी है। माननीय प्रधान मंत्री असम से एम.पी. हैं। असम की कैपीटल गुवाहाटी में और दिसपुर में जो नंगा नाच हुआ, उसके दृष्य किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किए जा सकते। हकीकत तो यह है कि आदिवासियों की जो डिमांड है, मैं उस डिमांड की डिटेल्स में इस समय नहीं जाना चाहता हूं। वह डिमांड एक अलग विषय है। उस डिमांड को लेकर वहां हजारों की तादाद में लोग डिमांस्ट्रेशन कर रहे थे और वहां केवल एक असिस्टेंट इंस्पैक्टर और चार कांस्टेबल थे। आप सोचिए, जब गुवाहाटी में सिक्योरिटी का यह हाल है, तो पूर्वोत्तर के असम के गांवों की क्या हालत होगी। पिछली बार आपने कार्बियांगलौंग वगैरह में देखा होगा कि क्या स्थिति हुई। चार पुलिस स्टेशन और पूरे जिले को देखना है। यह सब सरकार की नाकामयाबी की एक बहुत बड़ी झलक है।

अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से आज सदन में अपनी भावनाएं प्रकट करना चाहता हूं कि कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं होने पर भी आप पूर्वोत्तर के लिए कहते हैं कि हम कुछ करना चाहते हैं, तो सबसे पहले वहां शांति लाइए। जब तक शांति नहीं लाएंगे, तब तक विकास नहीं हो सकता है। इसलिए मैं दो-तीन मांगें करना चाहूंगा। राज्य सरकार ने जुडीशियल प्रोब के लिए ऑर्डर दिए हैं। मैं पहली मांग यह करना चाहता हूं कि घटना की डिटेल्स को देखते हुए वहां सी.बी.आई. इन्क्वायरी होनी चाहिए। मैं सी.बी.आई. की बात इसलिए कर रहा हूं क्योंकि इसमें बहुत कुछ छिपा हुआ है। जो आदिवासियों की टोली जा रही थी, उसे कैसे प्रवोक किया गया और उसके बाद क्या घटना हुई, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। जब तक आप इस विषय की तह में नहीं जाएंगे, तब तक असलियत का पता नहीं चलेगा। कल सरकार ने अपनी तरफ से तो कह ही दिया कि Violence committed by adivasis. चर्चा से पहले ही आपने इनडाइटमेंट कर दिया, यह गलत है।

महोदय, उस प्रॉसेशन में आदिवासियों ने किसी की गाड़ी तोड़ी, किसी का घर तोड़ा है, तो मैं उसे भी कंडैम करता हूं, लेकिन उन्हें प्रोवोक क्यों किया गया और जो रिपोर्ट आई है, मैं एलीगेशन नहीं लगाना चाहता हूं, उस रिपोर्ट के अनुसार कुछ एन.एस.यू.आई. के लड़के ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Member, may I suggest you that I will allow a Calling Attention Motion on this issue? If you want, you can give a notice for that.

...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, I have also given a notice...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will allow every hon. Member who has given a notice till today on this subject to speak on the Calling Attention Motion. I will allow you all but not at this time because the hon. Minister concerned is not here to answer it. Therefore, I will allow you next Monday to speak on this issue. If you want, I will allow a discussion under Calling Attention Motion.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: As a special case, I will allow every Member who has given notice on this issue till today.

**श्री किरेन रिजीजू :** अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद। सर, मैं कॉलिंग अटेंशन की डिबेट में हिस्सा लूंगा।

MR. SPEAKER: On Monday, I will a[MSOffice22]llow you to speak on this issue.. I think you will get a better opportunity to speak. Those notices are with me. I have got notices from six other hon. Members. I will call them, as a special case, because this is an important matter.

...(*Interruptions*)

**श्री किरेन रिजीजू :** ठीक है, अध्यक्ष महोदय, आज आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं और मैं चाहता हूं कि इस घटना की सीबीआई इन्क्वायरी करवाई जाए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will allow all of you.

...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, you please read out the names who have given notices on this matter. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I assure all the hon. Members that those who have given notices on this important matter will be called on Monday. What more can I do? I will give you better opportunity to speak instead of what is called `Zero Hour'.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will call you. I am honour bound. I will call you also.

...(*Interruptions*)

SHRI SARBANANDA SONOWAL (DIBRUGARH): Sir, please give me a chance. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The hon. Minister has made a statement. Some reference has been made. Today is Wednesday. There is a very important debate. I will give you the Calling Attention. That is the best method. I will call Shri Sonowal also.

...(*Interruptions*)

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) :** महोदय, उन लोगों के नाम पढ़ दीजिए, जिन्होंने नाम दिए हैं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Those who have given notices will be called.

Now, I am giving a chance to Shri Krishnaswamy. I think you should express regrets. Please at least tell the country that you are sorry what you have done.

...(*Interruptions*)